PRESENTED BY-

DR. Babita Pathak

Hod commerce
Durga College Raipur

INDEX

- MEANING AND DEFINITION OF CONFLICT (संघर्षों का अर्थ एवं परिभाषा)
- TYPES OF CONFLICT (संघर्षों के प्रकार)

MEANING OF CONFLICT (संघर्ष काअर्थ)

परिभाषा- जोसेफ रिट्ज के अनुसार एक संगठन के अंदर संघर्ष को सामान्य कार्य संचालन में बड़ा रुकावट एवं व्यवधान के रूप में वर्णित किया जाता है जिसके फल स्वरुप व्यक्तियों एवं समूहों को सामूहिक रूप से कार्य करने में अनुभव होती है।

अर्थ- व्यक्तियों तथा समूह के मध्य टकराहट किसी भी समय संघर्ष का रूप ले सकती है| यह टकराहट परस्पर विरोधी विचारों ही मूल्य एवं लक्षण के कारण उत्पन्न होती है या व्यक्तियों समूह अथवा संगठन में पाए जाने वाले विरोध, तनाव, मनमुटाव एवं नफरत टकराव की स्थिति है।

TYPES OF CONFLICTS (संघर्ष के प्रकार)

- व्यक्ति के भीतर के संघर्ष
- व्यक्तियों के मध्य संघर्ष अथवा अंतर व्यक्तिगत संघर्ष
- व्यक्ति और समूह के मध्य संघर्ष
- समूह के मध्य संघर्ष
- संगठनात्मक संघर्ष

1.व्यक्ति के भीतर के संघर्ष– संघर्ष के इस प्रारूप को व्यक्तिपरक संघर्ष भी कहते हैं। इस प्रकार का संघर्ष स्वयं व्यक्ति के अन्दर उत्पन्न होता हैं। किसी व्यक्ति के भीतर के संघर्ष की उत्पत्ति समान्यता स्वयं के लिए लक्ष्य का चयन करने अथवा अप्रत्याशित रूप से भूमिका का निर्वाह करने को लेकर होती है।

2.व्यक्तियों के मध्य संघर्ष अथवा अंतर व्यक्तिगत संघर्ष- दो या दो से अधिक व्यक्तियों के मध्य होने वाले संघर्ष व्यक्तियों के मध्य संघर्ष कहलाते हैं व्यक्तियों के मध्य व्यक्तित्व अवबोधनों मूल्य हो तथा प्रवृत्तियां आदि के संबंध में घर अंतर होता है इस कारण व्यक्तियों के मध्य संघर्ष उत्पन्न होते हैं|

3.व्यक्ति और समूह के मध्य संघर्ष-किसी व्यक्ति और समूह के मध्य संघर्ष उसे समय उत्पन्न होता है जबकि व्यक्ति अपने समूह जिसमें वह कार्यरत है के मापदंडों को पूरा करने में असमर्थ रहता है उदाहरण के तौर पर जब कोई व्यक्ति समूह गति उत्पादकता के मापदंडों से कम या अधिक निष्पादन करता है तो ऐसी स्थिति में उसे पर समूह का दबाव पड़ता है जिससे संघर्ष की स्थिति उत्पन्न हो जाती है|यही नहीं समूह के लक्षण,आदर्श,निर्धारित नियमों आदि कार्य करने की विधियों की अवहेलना करने की स्थिति में भी व्यक्ति एवं समूह के बीच संघर्ष उत्पन्न हो सकता है|

4.समूह के मध्य संघर्ष-एक उपक्रम में व्यक्तियों के अनेक समूह कार्यरत होते हैं संघर्ष उस समय उत्पन्न होता है जबकि एक समूह दूसरे समूह पर लाभ शक्ति अथवा छवि सुधारने एवं आधिपत्य स्थापित करने का प्रयास करता है| समूह संघर्ष उस समय भी उत्पन्न होते हैं जबकि समूह के मतों में भिन्नताएं हूं अथवा संसाधनों के संबंध में परस्पर प्रतियोगिता हो|

5.संगठनात्मक संघर्ष- संगठनात्मक संघर्ष उस समय उत्पन्न होते हैं जब एक उपक्रम में एक से अधिक संगठन संरचनाएं हो और अनुचित लाभ पाने हेतु उनके हित आपस में टकराते हो|

धन्यवाद